

जूट उद्योग का विकास और संवर्द्धन

प्रलिस के लिये:

गोल्डन फाइबर, जूट उद्योग का विकास और संवर्द्धन, [जूट पैकेज सामग्री \(वस्तु पैकिंग अनिवार्य प्रयोग\) अधिनियम 1987](#), [जूट जयिटेक्सटाइलस \(JGT\)](#)

मेन्स के लिये:

जूट उद्योग का विकास और संवर्द्धन, देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न

[स्रोत: संसद](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में श्रम, वस्त्र और कौशल विकास पर स्थायी समिति ने 'जूट उद्योग के विकास तथा संवर्द्धन' पर 53वीं रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

रिपोर्ट से संबंधित प्रमुख बडि क्या हैं?

- **जूट उद्योग की संभावनाएँ:**
 - भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में जूट उद्योग का एक महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह पूरवी क्षेत्र, विशेषकर पश्चिम बंगाल में प्रमुख उद्योगों में से एक है।
 - जूट, 'गोल्डन फाइबर', एक प्राकृतिक, नवीकरणीय, बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद होने के कारण 'सुरक्षित' पैकेजिंग के सभी मानकों को पूरा करता है।
- **वश्व में जूट उत्पादन में भारत की प्रमुख हसिसेदारी:**
 - जूट के वैश्विक उत्पादन में भारत का एक प्रमुख हसिसेदारी है, यह वश्व के कुल जूट उत्पादन में 70% का योगदान देता है।
 - जूट उद्योग प्रत्यक्ष तौर पर लगभग 3.7 लाख श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है और लगभग 90% उत्पादन की खपत घरेलू स्तर की जाती है।
 - लगभग 73% जूट उद्योग का केंद्र पश्चिम बंगाल है (कुल 108 जूट मल्लों में से 79 पश्चिम बंगाल में स्थित हैं)।
- **उत्पादन और नरियात डेटा (2022-23):**
 - वित्तीय वर्ष 2022-23 में जूट से नरिमति वस्तुओं के उत्पादन में कुल 1,246,500 मीटरकि टन (MT) के साथ महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई।
 - जूट से नरिमति वस्तुओं का नरियात बढ़कर 177,270 मीटरकि टन हो गया, जो कुल उत्पादन का लगभग 14% है। यह 2019-20 के नरियात के आँकड़ों की तुलना में 56% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।
 - जूट से नरिमति वस्तुओं के नरियात में वृद्धि के कई कारण थे जसमें प्रमुख कारण वश्व भर में पर्यावरण के अनुकूल और सतत उत्पादों की बढ़ती मांग है।
 - इसी अवधि में भारत ने 121.26 हज़ार मीटरकि टन कच्चे जूट का आयात किया।
 - उच्च गुणवत्ता वाले जूट की मांग के कारण बांग्लादेश से जूट का आयात किया गया जसका उपयोग मूल्यवर्द्धित उत्पादों के नरिमाण में किया जाता है।
 - जूट से नरिमति वस्तुओं के शीर्ष नरियात बाज़ारों में संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, घाना, यूके, नीदरलैंड, जर्मनी, बेलजियम, कोटे डी आइवर, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसे विविध देश शामिल हैं।
- **जूट उद्योग के सममुख प्रमुख चुनौतियाँ:**
 - खरीद की उच्च दर: मल्ल कच्चे जूट को प्रसंस्करण के बाद जसि कीमत पर विक्रय कर रही हैं, उससे अधिक कीमत पर उनका क्रय कर रही हैं।
 - बचौलियों अथवा व्यापारियों से जुड़ी जटिल खरीद प्रक्रिया के कारण यह समस्या और बढ़ गई है जससे अंततः लागत में और वृद्धि हुई है।
 - अपर्याप्त कच्चा माल: जूट की कृषि को बढ़ावा देने के प्रयासों के बावजूद भारत अभी भी अपर्याप्त कच्चे माल की आपूर्ति का सामना रहा है जससे खरीद संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं और उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है।

- **अप्रचलति मलिनं और मशीनरी:** जूट उद्योग अप्रचलति मलिनं और मशीनरी की समस्या का सामना कर रहा है जिससे दक्षता तथा प्रतस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिये तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता है।
- **सथिटिक सामग्रियों से कड़ी प्रतस्पर्द्धा:** जूट को सथिटिक सामग्रियों से कड़ी प्रतस्पर्द्धा का सामना करना पड़ता है जो वहनीय पैकेजिंग समाधान प्रदान करते हैं जिससे जूट उत्पादों की मांग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
 - इसके अतिरिक्त मेस्टा जैसे वैकल्पिक फाइबर की उपलब्धता के कारण जूट से नरिमति वस्तुओं की मांग में कमी देखी गई है जिससे जूट उत्पादों का बाजार प्रभावित हुआ है।
- **शरम संबंधी मुद्दे और बुनयादी ढाँचा बाधाएँ:** शरम संबंधी मुद्दे उद्योग के संचालन को बाधित करते हैं, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में, नरितर हड़तालें, तालाबंदी और विवादों के कारण परचालन बाधित होता है तथा अस्थिरता बढ़ती है।
 - अपर्याप्त वदियुत आपूर्ति, परविहन चुनौतियों और पूंजी तक सीमति पहुँच जैसी बुनयादी ढाँचागत बाधाएँ उद्योग के स्थिरता प्रयासों में बाधा डालती हैं तथा साथ ही विकास एवं आधुनिकीकरण पहल को प्रभावित करती हैं।

जूट से संबंधित प्रमुख बढि क्या हैं?

■ जूट की कृषि के लिये अनुकूल परस्थितियों:

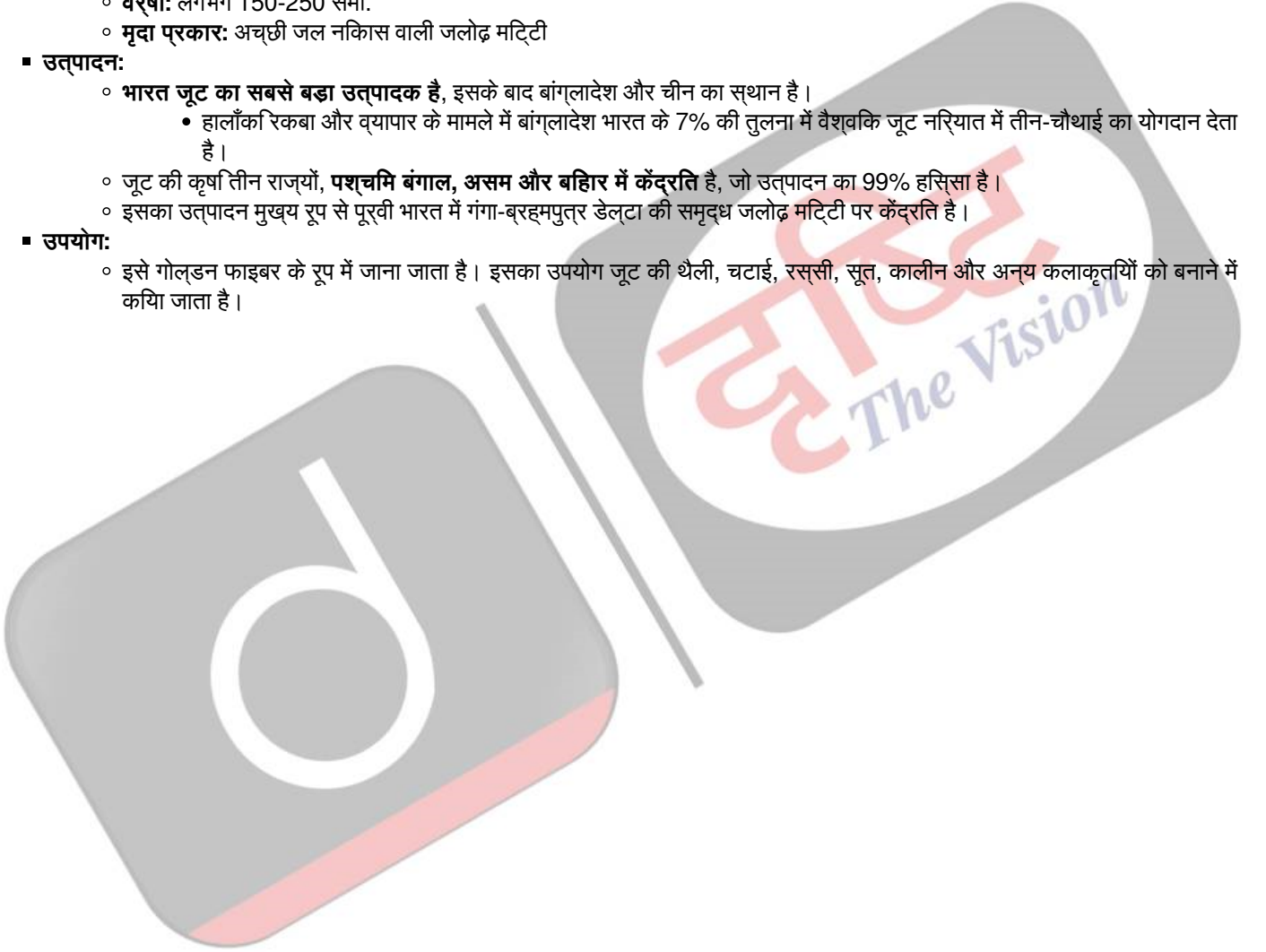
- तापमान: 25-35 °C के बीच
- वर्षा: लगभग 150-250 सेमी.
- मृदा प्रकार: अच्छी जल निकास वाली जलोढ मटिटी

■ उत्पादन:

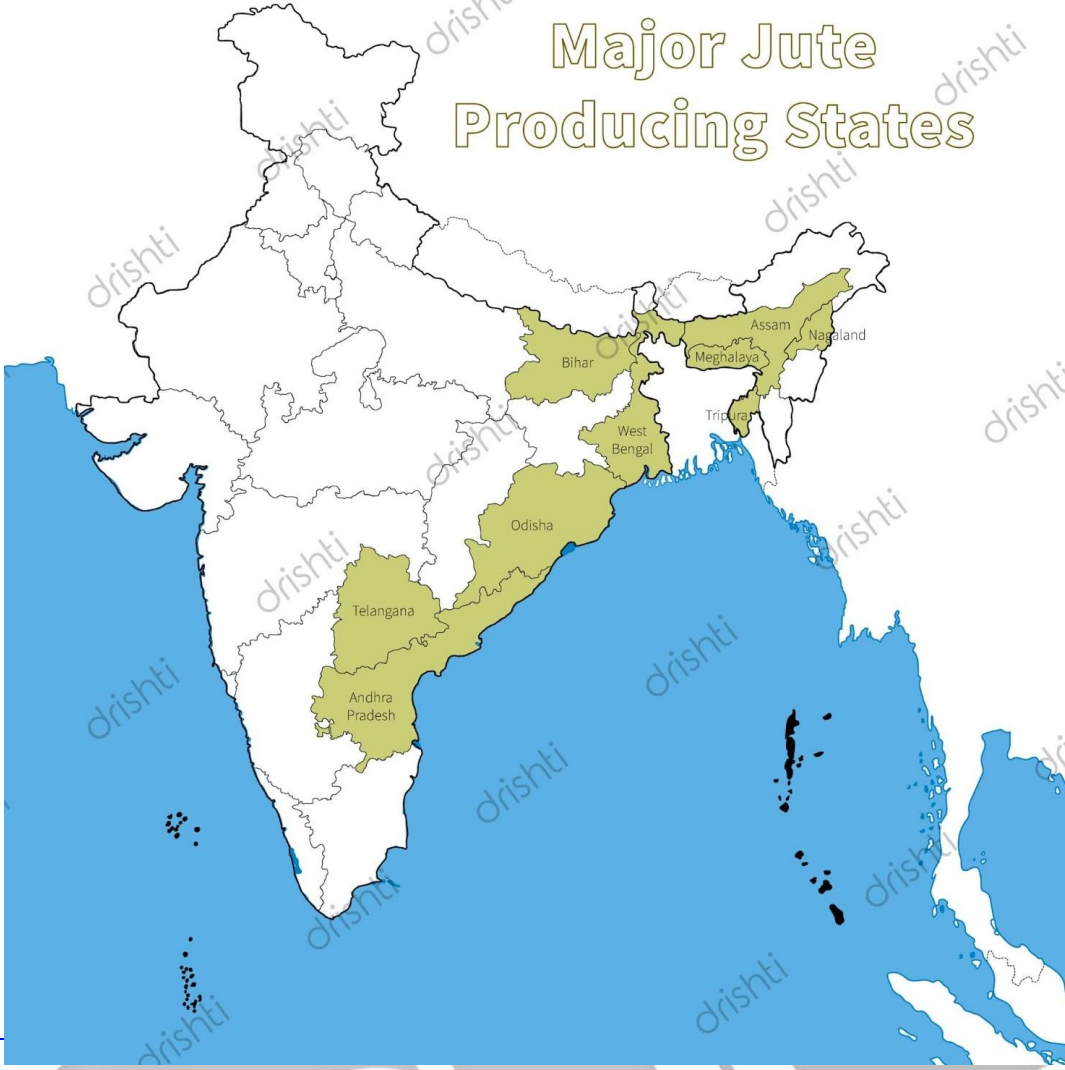
- **भारत जूट का सबसे बड़ा उत्पादक है**, इसके बाद बांग्लादेश और चीन का स्थान है।
 - हालाँकि रिकबा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश भारत के 7% की तुलना में वैश्विक जूट नरियात में तीन-चौथाई का योगदान देता है।
- जूट की कृषि तीन राज्यों, **पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में केंद्रित** है, जो उत्पादन का 99% हिससा है।
- इसका उत्पादन मुख्य रूप से पूरवी भारत में गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा की समृद्ध जलोढ मटिटी पर केंद्रित है।

■ उपयोग:

- इसे गोल्डन फाइबर के रूप में जाना जाता है। इसका उपयोग जूट की थैली, चटाई, रस्सी, सूत, कालीन और अन्य कलाकृतियों को बनाने में किया जाता है।



Major Jute Producing States



स्थायी समिति की प्रमुख सफ़ारशें क्या हैं?

- **प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण और उन्नयन:**
 - उत्पादकता बढ़ाने और उत्पाद मानकों को उन्नत करने के लिये जूट मशीनों को अत्याधुनिक मशीनरी तथा प्रौद्योगिकी में निवेश करने हेतु प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
 - नवाचार और प्रगति को बढ़ावा देने के लिये अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना।
- **कुशल कच्चे माल की खरीद:**
 - खर्चों को कम करने के लिये कच्चे जूट प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करें। जूट की कृषि को बढ़ावा देने हेतु अनुबंध खेती की पहल को बढ़ावा देना और किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करना।
- **उन्नत गुणवत्ता नियंत्रण और मानकीकरण:**
 - जूट उत्पादों में एक समान उत्कृष्टता बनाए रखने के लिये गुणवत्ता नियंत्रण प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करें। जूट वस्तुओं हेतु कड़े मानक स्थापित करना और लागू करना।
- **कौशल संवर्द्धन और प्रशिक्षण:**
 - जूट श्रमिकों को उनकी विशेषज्ञता नख़ारने के लिये व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ सशक्त बनाना।
 - बुनाई, रंगाई और मूल्यवर्द्धति प्रक्रियाओं में कौशल नख़ारने पर ज़ोर दें।
- **बाज़ार वसितार:**
 - जूट उत्पादों के लिये अपर्युक्त वैश्विक बाज़ारों में अग्रणी अन्वेषण की आवश्यकता है।
 - बाज़ार तक पहुँच बढ़ाने के लिये जूट आधारित हस्तशिल्प और जीवन शैली की वस्तुओं को बढ़ावा देना।
- **अनुसंधान एवं विकास संवर्द्धन:**
 - जूट से संबंधित नवाचारों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित अनुसंधान प्रयासों के लिये संसाधन आवंटित करें।
 - उद्योग के अभिकर्त्ताओं और अनुसंधान संस्थाओं के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करें।
- **जूट उत्पादों को बढ़ावा देना:**

- जूट की पर्यावरण-अनुकूल वशेषताओं और स्थिरता पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता अभियान शुरू करें।
- जूट उत्पादों को चुनने के गुणों के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करें।

नीति समर्थन:

- ऐसी नीतियाँ बनाएँ जो जूट की कृषि और मूल्य संवर्द्धन को प्रोत्साहित करें।
- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिये जूट मल्लिों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

Jute Value Chain

The jute value chain viz the farm to fibre (jute growing), the fibre to yarn (spinning), the yarn to grey fabric (weaving), and the grey fabric to finished fabric (processing) is reflected below:



जूट उद्योग से संबंधित सरकारी योजनाएँ क्या हैं?

नरियात बाज़ार विकास सहायता (EMDA) योजना:

- राष्ट्रीय जूट बोर्ड (NJB) द्वारा शुरू किया गया EMDA कार्यक्रम, जूट उत्पादों के निरमाताओं और नरियातकों को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय मेलों में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करता है। इसका उद्देश्य जीवनशैली और अन्य जूट वविधि उत्पादों (JDP) के नरियात को बढ़ावा देना है।

जूट पैकेजिंग सामग्री (वस्तुओं की पैकेजिंग में अनिवार्य उपयोग) अधिनियम 1987:

- यह अधिनियम कुछ वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण में जूट पैकेजिंग सामग्री के अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने के लिये अधिनियमित किया गया था।
 - आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने जूट वर्ष 2023-24 के लिये वविधि जूट बैग में 100% खाद्यान्न और 20% चीनी की अनिवार्य पैकेजिंग को बढ़ा दिया है।

जूट जियो-टेक्सटाइल्स (JGT):

- आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने एक तकनीकी वस्त्र मशिन को मंजूरी दे दी है जिसमें जूट जियो-टेक्सटाइल्स शामिल है।
- JGT सबसे महत्वपूर्ण वविधिकृत जूट उत्पादों में से एक है। इसे सविलि इंजीनियरिंग, मृदा कटाव नियंत्रण, सड़क फुटपाथ निर्माण और नदी तटों की सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है।

जूट हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य:

- भारतीय जूट निगम (Jute Corporation of India- JCI) सरकार की मूल्य समर्थन एजेंसी है। जूट के लिये भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के तहत कच्चे जूट की खरीद के माध्यम से जूट उत्पादकों के हितों की रक्षा करना और साथ ही जूट किसानों तथा समग्र रूप से जूट अर्थव्यवस्था के लाभ हेतु कच्चे जूट बाज़ार को स्थिर करना है।

जूट और मेसटा पर गोल्डन फाइबर क्रांति और प्रौद्योगिकी मशिन:

- वे भारत में जूट उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये सरकार की दो पहल हैं।
- इसकी उच्च लागत के कारण, यह सथिटिक फाइबर और पैकेजिंग सामग्री, वशेष रूप से नायलॉन के लिये बाज़ार समाप्त हो रहा है।

स्मार्ट जूट :

- यह एक ई-गवर्नेंस पहल है जिससे जूट क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिये दिसंबर 2016 में शुरू किया गया था।
- यह सरकारी एजेंसियों द्वारा जूट की खरीद के लिये एक एकीकृत मंच प्रदान करता है।

कुछ अन्य संबद्ध फाइबर:

- सनहेम्प: सनहेम्प वभिन्न अनुप्रयोगों वाली एक बहुमुखी फलीदार फसल है। यह वशेष कागज़, रस्सियाँ, सुतली, मछली पकड़ने के जाल एवं कैनवास

